लखनऊ-नानपारा सहित प्रदेश में बनेंगे तीन नए एक्सप्रेसवे

झांसी से कुशीनगर और कानपुर-आगरा एक्सप्रेसवे के लिए भी प्रस्ताव किया जा रहा तैयार

अभिषेक गुप्ता

लखनऊ। प्रदेश में तीन नए एक्सप्रेसवे बनेंगे। लखनऊ-नानपारा एक्सप्रेसवे, झांसी से कुशीनगर वाया कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे और कानपुर-आगरा एक्सप्रेसवे का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। सभी एक्सप्रेसवे पीपीपी मॉडल (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) के तहत बनाने की योजना है।

यूपीडा द्वारा लखनऊ-बाराबंकी-नानपारा (बहराइच) लिंक एक्सप्रेसवे विकसित करने की रिपोर्ट तैयार हो रही है। इसके पर्यावरण प्रभाव (ईआईए) पर अध्ययन किया जा रहा है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की व्यावहारिकता पर अध्ययन किया जा रहा है। ये एक्सप्रेसवे यमुना नदी के किनारे से गुजरेगा। इसी तरह झांसी-कानपुर-लखनऊ-

गोरखपुर-कुशीनगर एक्सप्रेसवे राज्य की दक्षिणी और पूर्वी सीमाओं को जोड़ेगा।

औद्योगिक विकास विभाग इस संबंध में काफी पहले प्रस्ताव जारी कर चुका है। बेतवा और घाघरा से गुजरने वाली यह एक्सप्रेसवे परियोजना भी यूपीडा को सौंपी गई है। इस बीच लखनऊ से मुरादाबाद वाया बरेली होते हुए एक्सप्रेसवे की भी मांग लंबे समय से की जा रही है। इस एक्सप्रेसवे के जरिये पूर्वी यूपी को पश्चिमी यूपी से जोड़ने की मांग है।

ये एक्सप्रेसवे भी बढ़ाएंगे रफ्तार

वर्तमान में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेस और यमुना एक्सप्रेसवे संचालित हैं। गंगा एक्सप्रेसवे 68 फीसदी बन चुका है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे लगभग तैयार है। चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे और झांसी-जालौन एक्सप्रेसवे को मंजूरी दी जा चुकी है। 8700 करोड़ रुपये की लागत से आठ लेन के अपर गंगा कैनाल एक्सप्रेसवे की फाइल का भी अध्ययन हो रहा है। ये एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड सीमा से पहले बुलंदशहर के सनौता पुल से मुजफ्फरनगर स्थित पुरकाजी तक ऊपरी गंगा नहर के किनारे से निकलेगा।

झांसी और जालौन को जोड़ेगा एक और लिंक एक्सप्रेसवे

लखनऊ। झांसी और जालौन को जोड़ने के लिए एक और लिंक एक्सप्रेसवे बनाया जाएगा। इससे बुंदेलखंड के औद्योगिक विकास की रफ्तार तेज होगी। करीब 1300 करोड़ की लागत से बनने वाले इस एक्सप्रेसवे की लंबाई करीब 115 किलोमीटर होगी। यह चार लेन का होगा। इससे डिफेंस कॉरिडोर का औद्योगिक इको सिस्टम मजबूत होगा।

- झांसी और कानपुर के बीच झांसी के 33 गांवों को मिलाकर 36 हजार एकड़ में बनने वाले औद्योगिक शहर में निवेशकों का आकर्षण बढ़ेगा। इसके लिए सरकार बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) के गठन का काम शुरू कर चुकी है। इनका लाभ सीधी और सुगम कनेक्टिविटी मिलने से लखनऊ, कानपुर, आगरा, चित्रकूट और झांसी के डिफेंस कॉरिडोर के नोड को मिलेगा।